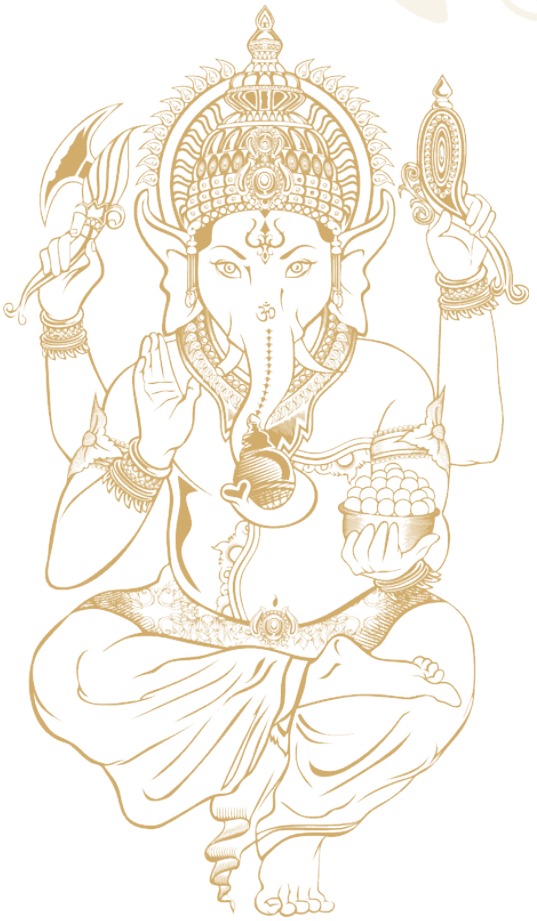

Navjot

Inder

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120006905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/06/1997	जन्म तिथि	31/10/1994
मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 15:55:00	जन्म समय	17:30:00 घंटे
घटी 26:18:33	जन्म समय(घटी)	27:03:12 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Ludhiana
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:56:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:34	सूर्योदय	06:40:43
19:25:59	सूर्यास्त	17:39:25
23:49:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:16

विंशोत्तरी शुक्र 1वर्ष 6मा 6दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 9मा 19दि
राहु	05:26:41	तुला	लग्न	मेष	12:14:47	राहु
09/12/2021	19:03:34	वृष	सूर्य	तुला	14:02:46	21/08/2015
10/12/2039	25:39:17	मेष	चंद्र	कन्या	01:32:52	20/08/2033
राहु 22/08/2024	29:56:10	सिंह	मंगल	कर्क	20:22:45	राहु 03/05/2018
गुरु 15/01/2027	27:09:41	मेष	बुध	कन्या	27:11:25	गुरु 25/09/2020
शनि 21/11/2029	28:03:03	मक	गुरु	तुला	27:37:57	शनि 02/08/2023
बुध 09/06/2032	05:16:05	मिथु	शुक्र व	तुला	18:00:10	बुध 19/02/2026
केतु 28/06/2033	23:43:26	मीन	शनि व	कुंभ	11:57:36	केतु 09/03/2027
शुक्र 28/06/2036	01:49:49	कन्या व	राहु व	तुला	21:02:04	शुक्र 09/03/2030
सूर्य 22/05/2037	01:49:49	मीन व	केतु व	मेष	21:02:04	सूर्य 01/02/2031
चन्द्र 21/11/2038	14:40:19	मक व	हर्ष	धनु	28:58:03	चन्द्र 02/08/2032
मंगल 10/12/2039	05:51:51	मक व	नेप	धनु	27:00:59	मंगल 20/08/2033
	10:09:51	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	03:23:39	

लग्न-चलित

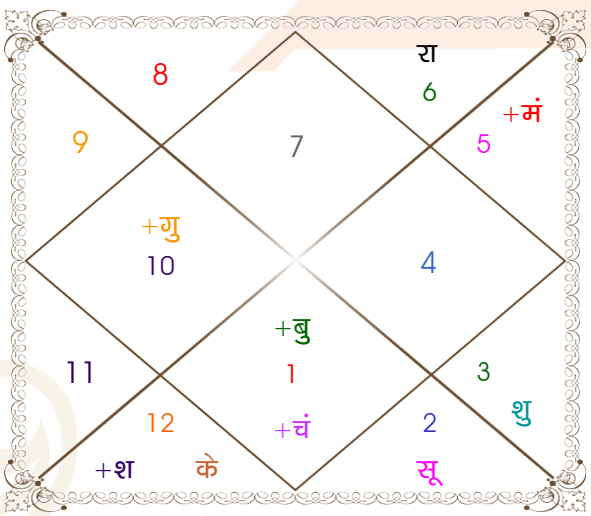

लग्न-चलित

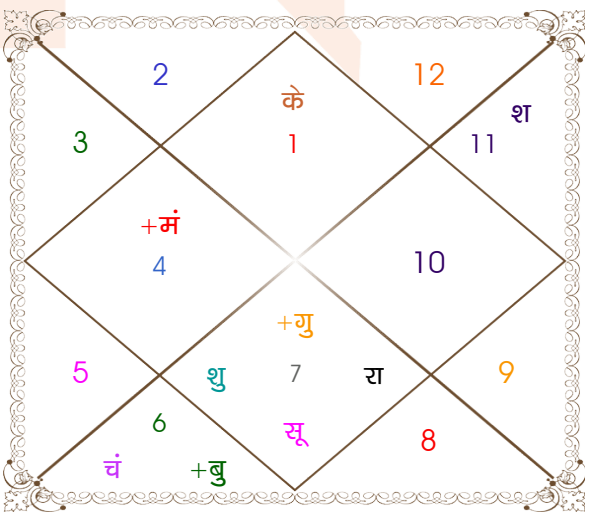

HARE KRISHNA ASTRO
ASTROLOGER SANDEEP ARORA
Shiffali Park Street , Sunder Nagar
Ludhiana .
9877727067

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

छंअरवज का वर्ग मृग है तथा प्दकमत का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छंअरवज और प्दकमत का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

छंअरवज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

प्दकमत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल प्दकमत कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल प्दकमत कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छंअरवज कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छंअरवज तथा प्दकमत में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।